

प्रेषक,

आलोक कुमार,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राज्य योजना आयोग/
नियोजन निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून: दिनांक: 01 अप्रैल, 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 में लेखानुदान के अन्तर्गत 01 अप्रैल से 31 जुलाई, 2004 तक की अवधि हेतु अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक संख्या- 3451-के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-240/वि0अनु0-1/2004 दिनांक 27 मार्च, 2004 के अनुक्रम में (प्रति संलग्न) में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में लेखानुदान अवधि 01 अप्रैल से 31 जुलाई, 2004 तक के लिए अनुदान-07 के लेखाशीर्षक-3451-के अन्तर्गत संलग्न विवरणानुसार सम्मुख अंकित धनराशि वचनबद्ध तथा अन्य आवश्यक मानक मदों हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत कुल धनराशि रुपये 20.58 लाख (रुपये बीस लाख अठारह हजार मात्र) को आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तापुस्तिका में बजट मैनुवल, स्टोर पर्वेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
- 3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तापुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति की आवश्यकता हो उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।



4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाय तथा व्यय का विवरण यथा समय प्रत्येक माह बी०एम-13 पर शासन को अवश्य उपलब्ध कराया जाय।

5- अबचनबद्ध मदें अथवा समस्त चालू निर्माण कार्य, उपकरण एवं संयंत्र का कय तथा वाहन आदि के कय की स्वीकृति पर शासन की सहमति नितान्त आवश्यक है।

6- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

7 इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3451-सचिवालय आर्थिक सेवाएँ-00-आयोजनोत्तर -092-अन्य कार्यालय-03-नियोजन अधिष्ठान की संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों डाला जायेगा।
संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(आलोक कुमार)
अपर सचिव।

संख्या-142(1)/01-नि०अनु०/2003,तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 5- समन्वयक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या- 162/01-नि0अनु0/2004 दिनांक: 01 अप्रैल, 2004 का संलग्नक।

	(घनराशि हजार रुपये में) आयोजनेत्तर
3451-सचिवालय आर्थिक सेवाएं	
092-अन्य कार्यालय	
03-नियोजन अधिष्ठान	
01-वेतन	833
02-मजदूरी	17
03-महंगाई भत्ता	550
04-यात्रा व्यय	60
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	17
06-अन्य भत्ते	92
08-कार्यालय व्यय	133
09-विद्युत देय	33
10-जलकर/जलप्रभार	7
13-टेलीफोन पर व्यय	83
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	133
17-किराया उप शुल्क और कर स्वामित्व	100
योग- (रुपये बीस लाख अठावन हजार मात्र)	2058

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।